1. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी

1. लैंगिक असमानता क्या है ?

उत्तर - लिंग के आधार पर पुरुषों और स्त्रियों में भेद करना, स्त्रियों को पुरुषों की तुलना में दोयम दर्जे का नागरिक समझना और उन्हें हीन समझने की भावना लैंगिक असमानता है। लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम महत्त्व दिया जाना, शिक्षा, खान-पान, पालन-पोषण में अंतर करना, लड़की को घर की चहारदीवारी में कैद रखना और घर के काम-काज तक ही सीमित रखना, स्त्रियों पर पुरुषों का नियंत्रण आदि लैंगिक असमानता के उदाहरण हैं।

2. सामाजिक विभेद किस प्रकार सामाजिक विभाजन के लिए उत्तरदायी है?

उत्तर - वास्तव में सामाजिक विभेद ही सामाजिक विभाजन और सामाजिक संघर्ष के लिए मूल रूप से उत्तरदायी होता है। प्रत्येक समाज में विभिन्न जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र के लोग निवास करते हैं। सामाजिक विभेद का मूल कारण जन्म को माना जाता है। धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय आदि के नाम पर आपस में उलझना राष्ट्र को कमजोर बनाना है। इससे सामाजिक विभाजन के खतरे बढ़ जाते हैं। अतः, सामाजिक विभेद को मिटाकर ही सामाजिक विभाजन को रोका जा सकता है।

3. 'विविधता में एकता' का अर्थ बताएँ।

उत्तर - विविधता लोकतंत्र का एक स्वाभाविक गुण है। 'विविधता में एकता' भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक खास विशेषता है। बेल्जियम भी इसका एक उत्कृष्ट नमूना है। जब भी भारत की अखंडता खतरे में पड़ी अथवा प्राकृतिक आपदा आई तो सभी जाति एवं धर्म के लोगों ने आपसी वैर-भाव को भुलाकर एक साथ मिलकर संकट की स्थिति का हिम्मत के साथ सामना किया। यह 'विविधता में एकता' का एक आदर्श उदाहरण है।

4. सामाजिक विभेदों में तालमेल किस प्रकार स्थापित किया जाता है ?

उत्तर - सामाजिक विभेदों में तालमेल स्थापित कर ही राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखा जा सकता है। सामाजिक विभेदों में तालमेल बनाए रखने के लिए भारत में धर्मनिरपेक्षता के

सिद्धांत को अपनाया गया है। इस सिद्धांत से यह धारणा विकसित होती है कि उनके धर्म अलग-अलग अवश्य हैं, परंतु उनका राष्ट्र तो एक ही है। दूसरी बात यह भी है कि आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य में सत्ता के बँटवारे में अल्पसंख्यक एवं बहुसंख्यक दोनों का खयाल रखा जाता है ताकि सामाजिक विभेदों में तालमेल स्थापित किया जा सके।

5. बंधुआ मजदूर किसे कहते हैं?

उत्तर - कर्ज के बदले अपने श्रम को बंधक बनानेवाला श्रमिक 'कर्ज-बंधक' या 'कर्जदास' या 'बंधुआ मजदूर' कहलाता है। उसकी मजदूरी कर्जदाता की इच्छा से निर्धारित की जाती है ताकि कर्ज चुकाना असंभव हो। वर्तमान लोकतांत्रिक युग में 'बंधुआ मजदूर' की प्रथा लगभग समाप्त हो चुकी है।

6. समाज में स्त्रियों की दयनीय स्थिति के लिए उत्तरदायी किन्हीं चार कारणों का उल्लेख करें।

उत्तर - समाज में स्त्रियों की दयनीय स्थिति के चार कारण इस प्रकार हैं-

(i) पुरुषों की तुलना में स्त्रियों में शिक्षा का अभाव

(ii) स्त्रियों के बीच पर्दाप्रथा

(iii) बालविवाह, सतीप्रथा जैसी कुरीतियाँ तथा

(iv) दहेज प्रथा।

7. कन्या-सूणहत्या क्या है? क्या कानून इसे रोकने में सफल हुआ है?

उत्तर - आज भी पुत्री का जन्म दुख का विषय बना हुआ है। अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से गर्भ में ही शिशु (भ्रूण) के लिंग की जानकारी प्राप्त हो जाती है। पुत्री के जन्म की संभावना के कारण गर्भ में ही उसकी हत्या कर दी जाती है। इसे ही कन्या-भ्रूणहत्या कहते हैं। इसे रोकने के लिए कानून बन चुके हैं, परंतु अभी तक हमें आशानुकूल सफलता नहीं मिली है। इसपर रोक के लिए कानून के साथ-साथ लोगों की सोच भी बदलनी होगी।

8. भारतीय संविधान में लैंगिक समभाव के लिए किए गए विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख करें।

उत्तर - भारतीय संविधान में लैंगिक समभाव के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं।

(i) लिंग के आधार पर भेदभाव करने की मनाही की गई है।

(ii) रोजगार पाने के लिए पुरुष एवं स्त्री के साथ एक जैसे व्यवहार की व्यवस्था है।

(iii) स्त्रियों को पुरुषों के समान ही मताधिकार दिया गया है।

(iv) राज्य के नीति-निदेशक तत्त्व के अंतर्गत कहा गया है कि राज्य अपनी नीति का संचालन इस प्रकार करेगा जिसमें पुरुष एवं स्त्री को समान कार्य के लिए समान वेतन मिले।

9. सांप्रदायिकता लोकतंत्र को किस प्रकार प्रभावित करती है?

उत्तर - सांप्रदायिकता लोकतंत्र को गहरे ढंग से प्रभावित करती है। यह लोकतंत्र की दुश्मन है। सांप्रदायिकता, धार्मिक भेदभाव जैसे तत्त्वों से समाज में विभेद पैदा होता है, जो सामाजिक संघर्ष को जन्म देता है। इससे समाज में आपसी मतभेद पैदा होता है और परस्पर विवादों को बल मिलता है जिससे राष्ट्र कमजोर होता है तथा विकास बाचित होने से विनाश के गर्त में जा सकता है। अतः, स्पष्ट है कि सांप्रदायिकता लोकतंत्र के लिए कैंसर जैसा घातक है।

लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी

1. सामाजिक विभेदों की उत्पत्ति के कारणों पर प्रकाश डालें।

उत्तर - सामाजिक विभेदों की उत्पत्ति के जिम्मेवार अनेक कारण होते हैं। प्रत्येक समाज में विभिन्न जाति, धर्म, भाषा, संप्रदाय एवं क्षेत्र के लोग निवास करते हैं। इन विभिन्नताओं के चलते उनमें विभेद की स्थिति पैदा होती है। जन्म सामाजिक विभेदों की उत्पत्ति का सबसे प्रमुख कारण माना जाता है। जहाँ भी किसी व्यक्ति का जन्म होता है वह किसी-न-किसी परिवारविशेष का सदस्य होता है। उस परिवार का संबंध किसी-न-किसी जाति, धर्म, संप्रदाय, समूह, भाषा तथा क्षेत्र से जुड़ा होता है। इसके चलते उस व्यक्तिविशेष का संबंध उसी जाति, धर्म, समूह, भाषा एवं क्षेत्र से जुड़ जाता है। यहीं से विभेद की उत्पत्ति स्वतः हो जाती है। इन सभी कारकों के अलावे भी कुछ ऐसे कारक हैं जो सामाजिक विभेद उत्पन्न करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लिंग, रंग, नस्ल, धन इत्यादि भी कुछ ऐसे कारक

हैं जो सामाजिक विभेद बढ़ाने में सहयोग करते हैं। व्यक्ति के जन्म लेते ही ये कारक सामाजिक विभेद का रूप ग्रहण कर लेते हैं। स्त्री-पुरुष, गोरे-काले, लंबे-नाटे, अमीर-गरीब, शक्तिशाली-कमजोर जैसे विभेद भी सामाजिक विभेद में बदल जाते हैं।

कभी-कभी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद से भी सामाजिक विभेद का जन्म होता है। ऐसा भी होता है कि अनेक व्यक्ति अपना धर्म परिवर्तित करके एक अलग समुदाय अथवा समूह बना लेते हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं जो कभी-कभी अंतरजातीय विवाह कर अपनी अलग पहचान बना लेते हैं। कुछ व्यक्ति अपने परिवार अथवा जाति की परंपराओं को छोड़कर भिन्न कार्यक्षेत्रों, पेशे, उद्योग-धंधे तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को अपनाकर अपनी अलग पहचान बनाते हैं और अलग सामाजिक समूहों के सदस्य हो जाते हैं। इन सब कारणों से सामाजिक विभेदों का जन्म होता है।

2. 'महिला आरक्षण विधेयक' क्या है ? आपके अनुसार यह विधेयक विधान (कानून) क्यों नहीं बन पा रहा है ?

उत्तर - जनता की प्रातिनिधिक संस्थाओं में सत्ता की साझेदारी में महिलाओं को अधिक स्थान देने के उद्देश्य से कई कदम उठाए जा चुके हैं। भारतीय संविधान के 73वें और 74वें संशोधन द्वारा देशभर में ग्रामीण एवं नगरीय स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित कर दिए गए हैं। बिहार में इन 1. संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। लोकसभा और राज्य विधानमंडलों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने के लिए संसद में विधेयक उपस्थित किया जा चुका है। इसे ही 'महिला आरक्षण विधेयक' कहते हैं।

इस विधेयक के विधान बनने के रास्ते में अनेक बाधाएँ हैं। कई पुरुष राजनीतिज्ञों को अपनी सीट से वंचित होने की आशंका है, अतः ऐसे पुरुष राजनीतिज्ञ प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष ढंग से इसका विरोध कर रहे हैं। कुछ राजनीतिज्ञों ने इस विधेयक के विधान बनने के रास्ते में यह अड़ंगा लगा दिया है कि दलित, पिछड़ी और अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था की जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि ऐसे लोग 'आरक्षण के अंदर आरक्षण' के पक्ष में हैं।

3. सामाजिक विभेदों में तालमेल एवं संघर्ष पर प्रकाश डालें।

उत्तर - सामाजिक विभेदों में तालमेल रहने से लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ें मजबूत होती हैं। ठीक इसके विपरीत सामाजिक विभेदों में उचित तालमेल नहीं होने से संघर्ष एवं कलह की स्थिति भी पैदा हो जाती है। ये दोनों पक्ष निम्नलिखित हैं।

(i) सामाजिक विभेदों में तालमेल - विविधता में एकता लोकतंत्र का एक स्वाभाविक गुण है। प्रायः, लोकतांत्रिक राज्यों में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को अपनाया जाता है। किसी भी धर्मनिरपेक्ष राज्य के नागरिक विभिन्न धर्मों के अनुयायी होते हैं तथा वे आपसी सौहार्द के वातावरण में शांतिपूर्वक रहते हैं। इस प्रकार, उनमें यह धारणा विकसित हो जाती है कि वे अलग-अलग धर्मों के अनुयायी तो अवश्य हैं, परंतु उनका राष्ट्र एक है और वे सभी एक ही राष्ट्र के नागरिक हैं। इसीलिए, समस्त भारतीयों के लिए यह कहा गया है कि "हिंदू, मुसलिम, सिख, ईसाई । आपस में हैं भाई-भाई ।।" यह सामाजिक विभेदों में तालमेल पैदा करनेवाली भावना का द्योतक है। होली, दीपावली, दशहरा जैसे पर्वों पर मुसलमान भाई भी हिंदुओं के यहाँ दावत पर जाते हैं और ईद के मौके पर हिंदू भाई भी उन्हें मुबारकबाद देते हैं। सिख भी हिंदुओं के मंदिर में पूजा करने आते हैं और हिंदू भी गुरुद्वारे में श्रद्धापूर्वक शीश नवाते हैं। यह विभेदों में तालमेल, अर्थात विविधता में एकता का उत्कृष्ट नमूना है। भारत की तरह बेल्जियम में भी विभिन्न भाषा-भाषी एवं क्षेत्र के लोगों में अच्छा तालमेल है।

(ii) सामाजिक विभेदों से संघर्ष की उत्पत्ति - यदि शासन द्वारा सामाजिक विभेदों में

उचित तालमेल नहीं बिठाया जाता है, तो यही सामाजिक विभेद कालांतर में संघर्ष का प्रधान कारण भी बन जाता है। सामाजिक विभेद लोकतंत्र के लिए घातक सिद्ध होता है। धर्म, लिंग, जाति, संप्रदाय के नाम पर आपस में उलझने से राष्ट्र की शक्ति क्षीण हो जाती है। ऐसी अवस्था का लाभ उठाकर कभी-कभी दुश्मन देश आक्रमण भी कर देते हैं और राष्ट्र की आजादी खतरे में पड़ जाती है। जब तक विविधताएँ एक सीमा में रहती हैं तब तक कोई परेशानी नहीं होती है, परंतु जब विविधताएँ अपनी सीमा का अतिक्रमण करने लगती हैं तब सामाजिक विभाजन अवश्यंभावी हो जाता है। अमेरिका में श्वेत अश्वेत का झगड़ा, उत्तरी आयरलैंड में प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक का झगड़ा, भारत में दलितों और सवर्णों में टकराव जैसी स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक सिद्ध होती है।

4. सांप्रदायिकता के किन्हीं चार कारणों पर प्रकाश डालें।

उत्तर- सांप्रदायिकता भारतीय सामाज की एक बहुत बड़ी समस्या है जिसने समाज को न केवल कमजोर किया है, बल्कि अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। इसके मुख्य कारण निम्नांकित हैं।

(i) भारत में भौगोलिक कारण सांप्रदायिकता के लिए उत्तरदायी माने जा सकते हैं। जिन-जिन स्थानों पर विभिन्न धार्मिक समुदायों के आवासीय क्षेत्र एक-दूसरे से अलग हैं, वहाँ सांप्रदायिक तनाव अधिक बढ़ा है। सामाजिक दूरी बने रहने के कारण इसे भड़काने के अवसर अधिक मिल जाते हैं।

(ii) भारत में सांप्रदायिक तनाव का ऐतिहासिक कारण भी है। मुगल शासकों तथा अँगरेजों के शासनकाल में सांप्रदायिकता को प्रोत्साहन मिला। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी सांप्रदायिक राजनीतिक दलों का गठन हो गया। मुसलिम लीग और हिंदू महासभा इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। एक-दूसरे के खिलाफ हिंसा भड़काने में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

(iii) सांप्रदायिकता के लिए मनोवैज्ञानिक कारण भी कम उत्तरदायी नहीं है। जब दो समूहों के बीच पारस्परिक घृणा और द्वेष बढ़ जाता है तब सांप्रदायिक दंगे होते हैं।

(iv) धार्मिक भिन्नता के कारण विभिन्न संप्रदायों के रीति-रिवाज एवं सामाजिक मान्यताएँ भी एक-दूसरे से भिन्न होती हैं। परिणामस्वरूप, विभिन्न समुदायों के बीच दूरी बढ़ जाती है।

5. स्वतंत्र भारत में नारियों की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा कौन- कौन-से उपाय किए गए हैं?

उत्तर - भारत की कुल आबादी में लगभग 48.52 प्रतिशत नारियाँ हैं। केवल पुरुषों की उन्नति से भारत का विकास संभव नहीं है। यही कारण है कि स्वतंत्र भारत में नारियों की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

(i) कानूनी संरक्षण - भारत सरकार ने नारियों की स्थिति में सुधार के लिए कानूनों का भी सहारा लिया है। अनेक कानून बनाए गए ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो सके। उदाहरण के लिए, कानून द्वारा ही लड़कियों के विवाह के लिए 18 वर्ष की आयु निश्चित की गई है। पति से अलग होने पर भी स्त्रियों को भरण-पोषण के लिए एक निश्चित राशि पाने की व्यवस्था कानून बनाकर की गई है। नारियों को भी

विरासत की संपत्ति पर अधिकार दिया गया है। उनके साथ किए जानेवाले विभिन्न गलत व्यवहारों को अपराध घोषित किया गया है।

(ii) शिक्षा की व्यवस्था - नारियों की शिक्षा के लिए भी सरकार ने अनेक उपाय किए हैं। उनके लिए अनेक शिक्षण संस्थानों को स्थापित किया गया है। शिल्पकला, शिशुपालन, गृह उद्योग जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को प्रशिक्षित करने की व्यवस्था की गई है। सरकार के प्रयास का ही फल है कि आज स्त्रियों की साक्षरता दर में दिनानुदिन वृद्धि होती जा रही है।

(iii) स्वरोजगार की व्यवस्था - महिलाओं को स्वरोजगार प्राप्त करने के लिए भी सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। ग्रामीण महिलां और शिशु विकास योजना (ड्वाकरा) कार्यक्रम भारत के अनेक जिलों में 1982 से चल रहा है। वास्तविक रूप से स्वरोजगार पाने में यह योजना सहायक सिद्ध हुई है।

(iv) संविधान में संरक्षण-भारत के संविधान में नारियों की स्थिति में सुधार के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। संविधान में स्त्री और पुरुष दोनों को समान माना गया है। नौकरी और रोजगार पाने में अवसर की समानता दी गई है तथा मताधिकार के क्षेत्र में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। नारियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

6. सामाजिक विभेद की राजनीति के परिणाम तय करनेवाले किन्हीं तीन कारकों का उल्लेख संक्षेप में करें।

उत्तर - सामाजिक विभेद की राजनीति के परिणाम निम्नांकित तीन कारको पर निर्भर करते हैं।

(i) स्वयं की पहचान की चेतना - यदि लोग अपनी पहचान बनाए रखने के लिए अत्यधिक सचेष्ट हैं और इस क्रम में यदि उन्हें दूसरे की परवाह नहीं है, तो ऐसी स्थिति में सामाजिक विभेद की राजनीति का परिणाम सुखद हो ही नहीं सकता। अतः, यदि अपनी पहचान की चेतना के साथ दूसरे की पहचान की भी इज्जत की जाए, सामाजिक विभेद के परिणाम सुखद हो सकते हैं। तो

(ii) विभिन्न समुदायों की माँगों को राजनीतिक दलों द्वारा उपस्थित करने का तरीका - समुदायविशेष की कुछ माँगें राष्ट्रहित में नहीं होती और यदि उनकी माँगों को माने जाने के लिए शासन पर दबाव पड़ता है

तो ऐसी स्थिति में विभेद की राजनीति का परिणाम कभी सुखद नहीं हो सकता, जैसे 'श्रीलंका सिर्फ सिंहलियों के लिए' की मान्यता का दुष्परिणाम किसी से छिपा नहीं है।

(iii) माँगों के प्रति सरकार की सोच - सामाजिक विभेद की राजनीति के परिणाम सरकार के विभिन्न समुदायों की माँगों के प्रति सोच पर भी निर्भर करते हैं। विभेद की राजनीति के अच्छे परिणाम के लिए यह आवश्यक है कि सरकार विभिन्न समुदायों की उचित माँगों का खयाल रखे। साथ ही साथ वैसी माँगें जिनसे दूसरे समुदायों के हितों पर चोट न पहुँचे, सरकार द्वारा मान लेने का परिणाम सदैव अच्छा ही होता है।

7. सांप्रदायिकता के प्रमुख तत्त्व कौन-कौन से हैं?

उत्तर - अपने धर्म को अन्य धर्मों से ऊँचा मानना और अपने धार्मिक हितों के लिए राष्ट्रहित का भी बलिदान कर देना सांप्रदायिकता है। यह धर्म के नाम पर घृणा फैलाती है और मानव को मानव से घृणा करना सिखाती है। इसके चलते एक धर्म के अनुयायी दूसरे धर्म के अनुयायियों के दुश्मन हो जाते हैं। अतः, सांप्रदायिकता एक संकीर्ण विचारधारा है जो एक विशेष समुदाय को अन्य समुदायों के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार करने का निर्देश देती है। सांप्रदायिकता के प्रमुख तीन तत्त्व निम्नलिखित हैं।

(i) एक धर्म के अनुयायियों के हित एक जैसे होते हैं।

(ii) एक धर्म के अनुयायियों के हित दूसरे धर्म के अनुयायियों से भिन्न होते हैं। (iii) उनके हित एक-दूसरे से भिन्न ही नहीं, बल्कि परस्परविरोधी भी होते हैं।

8. लैंगिक असमानता के लिए उत्तरदायी महत्त्वपूर्ण कारकों का वर्णन करें।

उत्तर - लैंगिक असमानता भारत के विकास के मार्ग में सबसे बड़ी चुनौती है। पुरुष और नारी दोनों के पारस्परिक सहयोग पर ही विकास संभव है। परंतु, भारत में लैंगिक असमानता की समस्या गंभीर है। लैंगिक असमानता के लिए उत्तरदायी महत्त्वपूर्ण कारक निम्नांकित हैं।

(i) महिलाओं में शिक्षा का अभाव है। शिक्षा के अभाव के कारण ही महिलाओं के बीच अंधविश्वास अधिक है। महिलाएँ शिक्षा के क्षेत्र में पुरुषों से पीछे हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, जहाँ 80.9 प्रतिशत पुरुष शिक्षित है, वहीं शिक्षित महिलाओं का प्रतिशत 64.6 है।

(ii) पर्दाप्रथा भी लैंगिक असमानता का बहुत बड़ा कारक है।

(iii) भारत में प्रचलित सतीप्रथा एवं बालविवाह की प्रथा भी लैंगिक असमानता के लिए बहुत हद तक उत्तरदायी हैं।

(iv) दहेज की प्रथा भी लैंगिक असमानता का एक महत्त्वपूर्ण कारक है।

(v) जनसंख्या की दृष्टि से भी लैंगिक असमानता बनी हुई है। पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या कम है। 1901 में भारत में एक हजार पुरुष पर 972 महिलाएँ थीं, वहीं 2011 की जनगणना के समय 1000 पुरुष पर महिलाओं की संख्या 943 रह गई है। केरल और पुदुचेरी छोड़कर अन्य राज्यों में लगभग यही स्थिति बनी हुई है।

(vi) पुरुष-प्रधान समाज, कन्या-भ्रूणहत्या, उच्च मातृ-मृत्यु दर, कन्या-शिशु की उपेक्षा, पुरुष-शिशु के लिए प्राथमिकता, स्त्री-प्रताड़ना आदि भी लैंगिक असमानता के मुख्य कारक हैं।

1. लोकतंत्र मे सत्ता की साझेदारी

1. संविधान का कौन-सा अनुच्छेद, धर्म, वंश, जाति या स्थान के आधार पर किसी प्रकार के भेदभाव का निषेध करता है?

(A) अनुच्छेद 16

(B) अनुच्छेद 15

(C) अनुच्छेद 10

(D) अनुच्छेद 20

Ans=B

2. क्षेत्रवाद की भावना का एक कुपरिणाम है-

(A) अपने क्षेत्र से लगाव

(B) राष्ट्रहित

(C) राष्ट्रीय एकता

(D) अलगाववाद

Ans=D

3. ब्रुसेल्स में 80% लोग किस भाषा को बोलते हैं?

(A) डच

(B) अंग्रेजी

(C) फ्रेंच

(D) हिन्दी

Ans=C

4. 'मराठी मानुष' का विवाद निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित है?

(A) पंजाब

(B) गुजरात

(C) महाराष्ट्र

(D) केरल

Ans=C

5. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में देश के सभी नागरिकों को कौन-सा मूल अधिकार दिया गया है?

(A) स्वतंत्रता का अधिकार

(B) समानता का अधिकार

(C) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

6. श्रीलंका में सामाजिक विभाजन किस स्तर पर है?

(A) क्षेत्रीय

(B) सामाजिक

(C) A तथा B दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=C

7. पीटर नार्मन धावक कहाँ का था?

(A) जर्मनी

(B) बेल्जियम

(C) फ्रांस

(D) आस्ट्रेलिया

Ans=D

8. रंगभेद की नीति के विरुद्ध आवाज उठाने वाला व्यक्ति कौन था?

(A) मार्टिन लूथर किंग

(B) अब्राहम लिंकन

(C) जार्ज वाशिंगटन

(D) लूई सोलहवाँ

Ans=A

9. मैक्सिको ओलंपिक की घटना एक उदाहरण है-

(A) रंगभेद का

(B) सांप्रदायिकता का

(C) जातिवाद का

(D) आतंकवाद का

Ans=A

10. इनमें से किसकी शुरुआत जर्मनी से हुई थी?

(A) नक्सलवाद

(B) माओवाद

(C) नाजीवाद

(D) फासीवाद

Ans=C

11. निम्नलिखित व्यक्तियों में कौन लोकतंत्र में रंगभेद विरोधी नहीं थे ?

(A) मार्टिन लूथर किंग

(B) महात्मा गाँधी

(C) ओलपिक धावक टॉमी स्मिथ एवं जॉन कालौस

(D) जेड गुडी

Ans=D

12. श्रीलंका में भेदभाव का आधार हैं-

(A) नस्ल एवं रंग

(B) जाति

(C) भाषायी

(D) वर्ण

Ans=C

13. सत्ता में साझेदारी किस व्यवस्था में सर्वश्रेष्ठ रूप से संभव है?

(A) राजतंत्र

(B) लोकतंत्र

(C) निरंकुशवाद

(D) अधिनायकतंत्र

Ans=B

14. सत्ता में साझेदारी का अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करने वाला राष्ट्र कौन-सा है?

(A) पाकिस्तान

(B) श्रीलंका

(C) बेल्जियम

(D) यूगोस्लाविया

Ans=C

15. सत्ता में साझेदारी का तात्पर्य है-

(A) विधायक या सांसद बनाना

(B) प्रतिनिधित्व की इच्छा रखना और राजनीतिक दल बनाना

(C) अपनी भाषा या धर्म इत्यादि को संवैधानिक पहचान दिलाना

(D) शासन एवं प्रशासन के मूलभूत निर्णयों को अपने अनुकूल प्रभावित करने की क्षमता प्राप्त करना।

Ans=D

16. जन्म पर आधारित विभेद किस देश में है?

(A) भारत

(B) चीन

(C) अमेरिका

(D) आस्ट्रेलिया

Ans=A

17. भाषाई आधार पर बनने वाला प्रथम राज्य है-

(A) बिहार

(B) झारखखंड

(C) उत्तराखंड

(D) आंध्रप्रदेश

Ans=D

18. विविधता और विभेद किसी राष्ट्र के लिए है-

(A) केवल नकारात्मक

(B) केवल सकारात्मक

(C) नकारात्मक एवं सकारात्मक दोनों

(D) कोई भी नहीं

Ans=C

19. सत्ता में साझेदारी सही है, क्योंकि :

(A) यह विविधता को बढ़ाती है

(B) देश की एकता को कमजोर करती है

(C) फैसले लेने में देर करवाती है

(D) विभिन्न समुदाओं के बीच टकराव कम करती है

Ans=D

20. निम्नलिखित में से कौन सामाजिक विभाजन का तरीका नहीं है?

(A) क्षेत्रियता की भावना

(B) नस्ल एवं रंग

(C) सरकारी नौकरी

(D) भाषा

Ans=C

21. निम्नलिखित में से किस देश को धार्मिक और जातीय आधार पर विखंडन का सामना करना पड़ा?

(A) बेल्जियम

(B) भारत

(C) युगोस्लाविया

(D) नीदरलैंड

Ans=C

22. लोकतंत्र में देखने को मिलता है-

(A) टकरावों एवं विभिन्नता में सामंजस्य स्थापित करना

(B) जातिवाद को बढ़ावा देना

(C) धार्मिक आधार पर लोगों मे विभेद पैदा करना

(D) क्षेत्रियता के आधार पर अलग राज्य का गठन करना

Ans=A

23. सामाजिक विभाजन को संभालने मे इनमे कौन कथन लोकतांत्रिक व्यवस्था पर लागू नहीं होता ?

(A) लोकतंत्र मैं राजनीतिक प्रतिद्वन्द्विता के कारण सामाजिक विभाजन की छाया राजनीति पर भी पड़ती है।

(B) लोकतंत्र में समुदायों के लिए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी शिकायतें प्रकट करना संभव है।

(C) लोकतंत्र सामाजिक विभेद में सामंजस्य स्थापित करने का सबसे अच्छा साधन है।

(D) लोकतंत्र सामाजिक विभाजन के आधार पर समाज को विखंडन की ओर ले जाता है।

Ans=D

24. जाति पर आधारित विभाजन कहाँ है?

(A) अमेरिका

(B) पाकिस्तान

(C) भारत

(D) बेल्जियम

Ans=C

25. भारतीय राजनीति में सवर्णों का वर्चस्व कब तक रहा?

(A) 1967

(B) 1969

(C) 1980

(D) 1985

Ans=A

26. प्रोटेस्टेंट संप्रदाय किस धर्म से संबंधित है?

(A) हिन्दू

(B) मुस्लिम

(C) ईसाई

(D) सिख

Ans=C

27. निम्नलिखित में से कौन राजनेता जातिगत भेदभाव से मुक्त समाज निर्माण के पक्षधर थे?

(A) डॉ० भीमराव अम्बेडकर

(B) पेरियार स्वामी

(C) डॉ० राम मनोहर लोहिया

(D) इनमें से सभी

Ans=D

28. प्राचीन काल मे निम्न मे से किनको शिक्षा पाने का भी अधिकार नहीं था ?

(A)) ब्राह्मणों को

(B) क्षत्रिय को

(C) राज परिवार को

(D) शुद्रों को

Ans=D

29. किस राष्ट्र में विभेद कम पाया जाता है?

(A) रूस

(B) भारत

(C) अमेरिका

(D) दक्षिण कोरिया

Ans=A

30. संप्रदायवाद संबंधित है-

(A) धार्मिक सद्भावना से

(B) धार्मिक कट्टरता से

(C) धर्मनिरपेक्षता से

(D) धर्म से संबंधित नहीं है

Ans=B

31. जाति के आधार पर सामाजिक विभाजन किस देश की सामाजिक व्यवस्था का अनूठा उदाहरण है?

(A) संयुक्त राज्य अमेरिका

(B) ग्रेट ब्रिटेन

(C) चीन

(D) भारत

Ans=C

32. साम्प्रदायिक राजनीति आधारित होती है-

(A) धर्म पर

(B) जाति पर

(C) क्षेत्र पर

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

33. धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाले व्यक्ति को कहा जाता है

(A) जातिवादी

(B) सांप्रदायिक

(C) धर्म निरपेक्ष

(D) आदर्शवादी

Ans=B

34. सिंहली किस देश की राजभाषा घोषित किया गया है?

(A) म्यांमार

(B) श्रीलंका

(C) मलेशिया

(D) मारिशश

Ans=B

35. सम्प्रदाय का संबंध है-

(A) सिख

(B) ईसाई

(C) जैन

(D) बौद्ध

Ans=B

36. निम्नलिखित में से किसमें सामाजिक विभाजन का आधार देखने को नहीं मिलता हैं?

(A) संप्रदायवाद

(B) भाषावाद

(C) क्षेत्रियतावाद

(D) नस्लवाद

Ans=D

37. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि "धर्म को कभी भी राजनीति से अलग नहीं होना चाहिए।"

(A) ज्योतिवा फूले

(B) लोकनायक जयप्रकाश

(C) दयानन्द सरस्वती

(D) महात्मा गाँधी

Ans=D

38. निम्नलिखित में कौन-सा देश धर्मनिरपेक्ष नहीं है?

(A) पाकिस्तान

(B) भारत

(C) अमेरिका

(D) नेपाल

Ans=A

39. भारतीय संविधान के बारे में इनमें से कौन-सा कथन सही है?

(A) यह धर्म के आधार पर भेदभाव की मनाही करता है।

(B) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बनाता है।

(C) सभी लोगों को कोई भी धर्म मानने की आजादी देता है।

(D) किसी धार्मिक समुदाय में सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है।

Ans=C

40. संप्रदायिक राजनीति किस पर आधारित है?

(A) एक धर्म दूसरे से श्रेष्ठ है।

(B) विभिन्न धर्मों के लोग समान नागरिक के रूप में खुशी-खुशी साथ रहते हैं।

(C) एक धर्म के अनुयायी एक समुदाय बनाते हैं।

(D) एक धार्मिक समूह का प्रभुत्व बाकी धमों पर कायम करने में शासन की शक्ति का प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

Ans=A

41. भारत एक राष्ट्र है-

(A) धार्मिक

(B) धर्मनिरपेक्ष

(C) विकसित

(D) साम्प्रदायिक

Ans=B

42. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?

(A) 7 मार्च

(B) 8 मार्च

(C) 9 मार्च

(D) 10 मार्च

Ans=B

43. 16 वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या कितनी है?

(A) 61

(B) 63

(C) 65

(D) 67

Ans=C

44. मानव जाति में आधी आबादी किसका है?

(A) पुरुषों की

(B) महिलाओं की

(C) युवाओं की

(D) इनमें कोई नहीं

Ans=B

45. भारत में पुरुषों की साक्षरता दर (2015) के अनुसार है

(A) 80.112

(B) 80.115

(C) 81.121

(D) 80.94

Ans=D

46. इंगलैंड में महिलाओं का वयस्क मताधिकार किस वर्ष प्राप्त हुआ?

(A) 1918 में

(B) 1919 में

(C) 1928 में

(D) 1945 में

Ans=A

47. भारत में महिलाओं की साक्षरता दर है-

(A) 50 प्रतिशत

(B) 90 प्रतिशत

(C) 64 प्रतिशत

(D) 20 प्रतिशत

Ans=C

48. भारत के 16वीं लोकसभा में महिला प्रतिनिधियों का प्रतिशत है-

(A) 50 से भी ऊपर

(B) 20 प्रतिशत

(C) 33 प्रतिशत

(D) 11.93 प्रतिशत

Ans=D

49. महिला आरक्षण विधेयक निम्नलिखित से किससे संबंधित है?

(A) महिलाओं की शिक्षा से

(B) महिलाओं की शक्ति से

(C) महिलाओं की गरीबी दूर करने से

(D) महिला प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने से

Ans=D

50. लैंगिक विभाजन का क्या अर्थ है?

(A) समाज में स्त्रियों की संख्या की गणना

(B) स्त्रियों एवं पुरुषों की संख्या का अनुपात

(C) स्त्री एवं पुरुष के बीच जैविक अंतर

(D) समाज द्वारा स्त्रियों एवं पुरुषों को दी गई असमान भूमिकाएँ।

Ans=C

51. महिलाओ को मतदान का अधिकार सर्वप्रथम किस राष्ट्र मे दी गई ?

(A) भारत में

(B) आस्ट्रेलिया में

(C) ब्रिटेन में

(D) अमेरिका में

Ans=C

52. कृषि कार्य में महिलाओं की कुल भागीदारी है-

(A) 40%

(B) 16%

(C) 50%

(D) 20%

Ans=A

53. 17वीं लोकसभा में महिलाओं की संख्या है-

(A) 61

(B) 78

(C) 65

(D) 74

Ans=B